सहसंबंध का अर्थ और प्रकार :-

* सहसंबंध का अर्थ :-

सहसंबंध एक सांख्यिकीय अवधारणा है, जो दो या दो से अधिक चर के बीच संबंध की डिग्री या स्तर को दर्शाती है। अर्थात, जब एक चर में परिवर्तन होता है तो दूसरे चर में भी कोई न कोई परिवर्तन होता है; इसी को सहसंबंध कहा जाता है।

> सरल शब्दों में :-

यदि दो घटनाओं या परिणामों में ऐसा संबंध है कि एक के बढ़ने या घटने पर दूसरा भी बढ़ता है या घटता है, तो उनके बीच सहसंबंध कहा जाता है।

* उदाहरण :-

तापमान बढ़ने पर आइसक्रीम की बिक्री भी बढ़ती है। यहाँ सकारात्मक सहसंबंध है। पेट्रोल की कीमत बढ़ने पर गाड़ी की बिक्री घट जाती है। यहाँ नकारात्मक सहसंबंध है।

* सहसंबंध के प्रकार :-

सहसंबंध को कई आधारों पर विभाजित किया जाता है —

1. संबंध की दिशा के आधार पर :-

(क) सकारात्मक सहसंबंध :- जब एक चर बढ़ता है तो दूसरा भी बढ़ता है या जब एक घटता है तो दूसरा भी घटता है।

vivo Y02
Nov 03, 2025, 20:32

उदाहरण :-

(i) आय और उपभोग
(ii) शिक्षा और आय
(iii)

(ख) नकारात्मक सहसंबंध :-

जब एक चर बढ़ता है तो दूसरा घटता है।

उदाहरण :-

(i) कीमत और माँग
(ii) पेट्रोल की कीमत और उसकी खपत

2. संबंध की मात्रा के आधार पर :-

(क) पूर्ण सहसंबंध :-

जब दो चरों में परिवर्तन का अनुपात बिल्कुल समान हो।

पूर्ण सकारात्मक सहसंबंध = +1
पूर्ण नकारात्मक सहसंबंध = -1

(ख) आंशिक या अपूर्ण सहसंबंध :-

जब दो चरों में परिवर्तन समान न होकर किसी अनुपात में होता है। सहसंबंध का गुणांक +1 और -1 के बीच होता है।

3. रूप के आधार पर :-

(क) रैखीय सहसंबंध :-

जब दो चरों के बीच संबंध सीधी रेखा द्वारा प्रदर्शित किया जा सके।

vivo Y02
Nov 03, 2025, 20:32